

अंतर्धिय कृष्णभावनामृत संघ ISKCON संस्थापक आचार्य :अभयचरणारविंद भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद

इस्कॉन श्री मायापुर चंद्रोदयू मंदिर द्वारा एक पहला

परात्पर परमेश्वर स्वयं भगवान गोलोकाधिपति श्री कृष्ण के प्रकट होने 5250वीं वर्षगांठ मनाने के लिए

श्रील प्रभुपाद को प्रसन्नता के लिए एक कोटी भक्त दो वर्षों में भगवद्गीता लिखेंगे

अपनी हस्तलिखत गीता टीओवीपी मंदिर में श्री श्री राधा माधव के चरण कमलों में अपित करें

अपने दोस्तों और परिवार प्रायोजक बने एव कायेक्रम के प्रबंधन के लिए सामान्य दान कर सकते हैं।

आप मंदिर में या ऑनलाइन www.gitalekan.com पर पंजीकरण कर सकते हैं।

प्रथम चरण

आप अपना नाम एव परिवार् के सदस्यों और दस्तिको शत लक्ष गीता लेखन यज्ञ_ यजमान के रूप मे पंजीकृत करें (पजीकरण शुल्क) 333 रुपय।

हरिनाम लेखन पुस्तक के साथ गीता लेखन के लिए अपनी पठन गीता पुस्तक और खाली नोटबुक प्राप्त करें।

दितीय चरण

अपना गीता लेखन प्रारंभ करें, प्रतिदिन कम से कम गीता के दो श्लोक लिखें, अनुवाद लिखने की आवश्यकता नहीं। हरिनाम पुस्तक में प्रतिदिन एक बार महामंत्र लिखा

त्रीय चरण

चत्थे चरण

जब 700 श्लोक लिखने का काम पूर्ण हो जाए, तो अपनी हस्तलिखित गीता और हरिनाम मायापुर भेजें, जिसे टीओवीपी में राधा माधव को अपित किया जाएगा।

पचम चरण

आजीवन स्मृति के लिए प्रसाद के रूप में अपनी स्वयं की लिखित गीता प्राप्त करें और अपने गुरुदेव और जननिवास प्रभू के हस्ताक्षर के साथ प्रमाण पत्र प्राप्त करें।

सपक गीता भवन, प्रथम् तल, कमरा नं.700 मायापुर, नादिया, 741313 व्हाट्सएप/फोन: +918918976449, +918789719895

अधिक जानकारी के लिए www.gitalekhan.com gitalekhan@gmail.com

मुख्य स्याजक श्री मायापुर चंद्रोदय मंदिर Email: bps@pamho.net